वार्तालाप–482, नीलंगा (महाराष्ट्र), ताः 06.01.08
Disc.CD No.482, dated 6.1.08 at Nilanga (Maharashtra)

समय–0.00–1.10
जिज्ञासु– बाबा मुरली में यह बात आई थी कि सुमिरन करने से खुशी बढ़ेगी। सुमिरन माना? बाबा– सुमिरन बिगड़ा हुआ शब्द है। असली शब्द है स्मरण। स्मरण माना याद। स्मृति। विनाशी की विस्मृति हो जाये। और अविनाशी की स्मृति बनी रहे। (किसी ने कुछ कहा) जो अविनाशी बाप है उसका स्मरण करने से खुशी घटेगी या बढ़ेगी? (किसी ने कहा – बढ़ेगी) बढ़ती है। अगर जिसकी स्मृति करने से खुशी बढ़ती नहीं है तो समझो हमने बाप को पहचाना ही नहीं है या तो वो बाप है ही नहीं ।
Time: 0.00-1.10
Student: Baba, it has been said in the *Murli* that remembrance (*sumiran*) leads to increase in joy. What does '*sumiran'* mean?
Baba: '*Sumiran'* is a changed (form of the original) word. The original word is '*smaran'*. *Smaran* means remembrance. Memory (*smriti*). We should forget the destructible things. And the remembrance of the imperishable one should continue. (Someone said something) Will the joy increase or decrease by remembering the imperishable Father? (Someone said – It will increase) It increases. If the joy does not increase by remembering Him, then we should think that we have not recognized the Father at all or that He is not our Father at all.

समय–1.11–3.30
जिज्ञासु– जनता जनार्दन का अर्थ क्या है बाबा? बेहद का अर्थ?
बाबा– बताया यथा राजा तथा प्रजा। अब आज की दुनिया में जो राज्य करने वाले राजायें हैं वो तो बहुत ऊँचे–ऊँचे ओहदों पर बैठे हुये। बड़े सुखी हैं। और जिनके ऊपर कंट्रोल कर रहे हैं राजाई चलाये रहे हैं उनके लिये कहेंगे फिर यथा राजा तथा प्रजा? (किसी ने कहा – नहीं) नहीं। ये तो जनता जनार्दन के राज्य की ही बात है। अर्दन माना रोना पीटना। जनता का जो अर्दन सुन नहीं सकता, उसके राज्य में जैसे नारायण होगा वैसी ही उनकी प्रजा होगी। राजा नई दुनिया में ऐसे अनुभव करे प्रजा ऐसे अनुभव करे जैसे परिवार का कोई भांति हो।
Time: 1.11-3.30
Student: Baba, what is the meaning of *'Janata Janardan'*? What does it mean in an unlimited sense?
Baba: It has been said that '*yatha raja tatha praja'* (as the king, so are his subjects). Well, the kings who rule in today's world, they are holding very high positions. They are very happy. And will it be said for those whom they are controlling, on whom they are ruling, that it is '*yatha raja tatha praja'* (i.e. whether they are as happy as their rulers)? (Someone said – No) No. It is an issue of the rule of *janata janardan* indeed. *'Ardan'* means crying. The one who cannot bear the cries (suffereings) of the people, in his kingdom, as the Narayan (i.e. king) so shall be his subjects. In the new world, the king should feel, the subjects should feel as if they are the part of a family.

परिवार का बच्चा होता है तो ये थोड़े ही सोचता है कि ये मेरे बाप की दुकान है मेरी नहीं है। मेरे बाप का राज्य है मेरा नहीं है? बच्चा क्या सोचता है? जो बाप का राज्य सो मेरा राज्य। तो जो नई दुनिया तैयार होगी वो ऐसी वसुधैव कुटुम्बकम की दुनिया होगी, सारी वसुधा ही एक कुटुम्ब बन जायेगी। सब एक बाप के बच्चे महसूस करेंगे। कोई अपने को नीचा महसूस नहीं करेगा। इसलिये कहा जाता है जनता जनार्दन।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

If there is a child in a family, he doesn't think: this is my father's shop and not mine; it is my father's kingdom, not mine? What does the child think? My father's kingdom is my kingdom. So, the new world that will be ready, it will be such a world of *vasudhaiv kutumbkam* (the entire world is our family) that the entire world will become one family. Everyone will feel himself to be the child of one father. Nobody will feel himself to be a lower one. That is why it is said *janata janardan.*

समय–3.31–4.50
जिज्ञासु–स्मृति उसी की की जायेगी जो पहले उसको याद थी। स्मृति, सुमिरन जो है ना उसी को आ सकता है जो ....
बाबा–ऊँचे को याद करेंगे तो ऊँची स्मृति बनेगी।
जिज्ञासु–पहले कब उसको याद थी उसी चीज की स्मृति आयेगी ना।
Time: 3.31-4.50
Student: Somone will remember only that thing which was already in his memory. Memory, remembrance can come to only the one, who …………
Baba: If we remember the highest one, then the remembrance will become high.
Student: He will remember only that what was in his memory earlier, won't he?

बाबा– यहां तो ज्ञान मिला हुआ है। पहले तो ज्ञान मिला हुआ नहीं था। और अभी? अभी तो ज्ञान मिला हुआ है। पहले तो ज्ञान देने वाला था ही नहीं। और अभी तो ज्ञान देने वाला आया हुआ है। बताता है ऊँचे ते ऊँच कौन है? ऊँच ते ऊँच को याद करेंगे तो ऊँच ते ऊँच स्टेज बनेगी। नीच का संग करेंगे तो नीची स्टेज बनेगी। स्मृति का सारा खेल है। मन के हारे–हार, और मन के जीते जीत हो जाती है।
Baba: Here we have received the knowledge. Earlier we did not have the knowledge. And now? Now we have received the knowledge. Earlier, the giver of knowledge was not there at all. And now the giver of the knowledge has come. He says, who is the highest on high? If we remember the highest on high, then our stage will become highest on high. If we keep the company of the degraded one, then our stage will become degraded. Everything depends on the memory. By accepting defeat in (our) mind we become losers and by gaining victory in (our) mind, we become victorious.

समय–4.51–6.30
जिज्ञासु–बाबा बुद्धि का साक्षात्कार होना माना?
बाबा–एक होता है बंद आँखों का साक्षात्कार होना। जो भक्तिमार्ग में होता है। और यहाँ? यहाँ बुद्धि से एक–एक बात को समझ लेते हैं हिज्जे हिज्जे करके। (किसी ने कुछ कहा) भक्तिमार्ग में मनन चिंतन मंथन होता है? नहीं होता। और यहाँ? यहाँ तो मनन–चिंतन–मंथन होता है कि हम किस बाप के बच्चे है? एक्ट के आधार पर समझ में आता है। दृष्टि वृत्ति के आधार पर समझ में आ जाता है। चलन के आधार पर समझ में आ जाता है कि कौन क्या है और किसका क्या पार्ट है? जिनको नीच धर्मो में कन्वर्ट होना होगा, भल कितने भी साल के ब्राह्मण बने हुये हों उनकी चलन में वो रौनक देखने में ही नहीं आती है। तो सबको पता चलेगा। क्लास में स्टूडेन्ट होते है। स्टूडेन्ट को पता नहीं चलता है कौन अच्छा स्टूडेन्ट है और कौन थर्ड क्लास है और कौन मीडियम है? ये भी विद्यालय है।
Time: 4.51-6.30
Student: Baba what is meant by having vision through the intellect?
Baba: One thing is to experience visions through closed eyes, which happens in the path of worship. And here? Here we understand each and everything through the intellect word by word. (Someone said something) Does thinking and churning take place in the path of

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

worship? It does not take place. And here? Here we think and churn: we are the children of which father? We understand it on the basis of the acts. We understand it on the basis of the vision and attitude. We understand it on the basis of the behavior: who is what and what is the part of someone. Those who have to convert into inferior religions, it does not matter for how many years they have been Brahmins; the glow/splendor in their does not appear behavior at all. So, everyone will come to know. There are students in the class. Don't the students come to know (among themselves), who is a nice student and who is third class (student) and who is medium one? This is also a school.

समय– 6.35–13.20
जिज्ञासु– रिते ज्ञानान न मुक्ति माना?
बाबा– रिते माना बिना। बिना ज्ञान के मुक्ति माने छुटकारा नहीं होता है। दुख–दर्दों से। दुख–दर्दों की दुनिया में बुद्धि लगी रहे तो उसे छुटकारा थोडे ही कहेंगे। वो दुख–दर्दों की दुनिया से मुक्ति, उपराम हो जाये तो कहेंगे जैसे छुटकारा मिला। ज्ञान के बिना वो संभव नहीं है। ज्ञान ऐसी चीज है कि दुख के वातावरण में भी, जिस दुख के वातावरण में लोग प्राण छोड़ देते हैं, हार्ट फेल हो जाते हैं। तो अज्ञानियों का हार्ट फेल होगा या ज्ञानियों का हार्ट फेल होगा? अज्ञानियों का हार्ट फेल होता है। जिसकी बुद्धि में ज्ञान बैठ गया। पाना था सो पा लिया। अरे हमारा क्या जायेगा? क्या बिगडेगा? उसको कोई असर नहीं पड़ता। उसका हार्ट फेल नहीं हो सकता। कुछ भी हो जाये ज्ञानी के लिये सुख ही सुख है। नहीं तो बोला है पतित दुनिया में सब पतित होते हैं पावन दुनिया में सब पावन होते हैं।
Time: 6.35-13.20
Student: What does '*ritey gyanan na mukti*' mean?
Baba: '*Ritey*' means 'without'. Without knowledge, you cannot attain *mukti*, i.e. liberation from sorrow and pain. If the intellect remains engaged in the world of sorrow and pain then, it will not at all be called liberation. If you attain liberation from the world of sorrow and pain, if the intellect reaches beyond (the world of sorrow and pain) then, it will be said you received freedom. It is not possible without the knowledge. Knowledge is such a thing that; even in an atmosphere of sorrow; the atmosphere of sorrow in which people leave their bodies, their heart fails….. so, will the ignorant people suffer heart failure or will the knowledgeable ones suffer heart failure? The ignorant ones suffer a heart failure. The one in whose intellect the knowledge has entered; I have achieved whatever I wanted to; Arey, what am I going to lose? What harm will be caused to us? He (the one who thinks like this) is not affected. His heart cannot fail. Whatever may happen, for a knowledgeable person there is only happiness. Otherwise, it has been said that everyone is sinful in the sinful world; everyone is pure in the pure world.

तो ये दुनिया सारी पतित है। भ्रष्ट आचरण वालों की है। दुख की दुनिया ही है। चारों तरफ दुख के ही वातावरण हैं। वायब्रेशन। फिर सुख की दुनिया बनेगी कैसे? हैं? अरे अपने–2 वायब्रेशन से ही वो बनेगी। जिसकी बुद्धि में पक्का निश्चय बैठ जावेगा कि हम आत्मा है। ये शरीर तो विनाशी है। हम आत्मा अविनाशी है। अविनाशी बाप हमारा आया हुआ है। वो हमारा वायब्रेशन पहले सुख का बनावेगा। आत्मा ऐसी स्टेज में टिक जायेगी कि कोई कितना भी हमला करता रहे, हमारे वायब्रेशन को बिगाड़ता रहे लेकिन हमारे ऊपर कोई असर, असर न पड़े। ये कान ऐसे बन जायें कि घर के लोग, परिवार के लोग, मुहल्ले के लोग, समाज के लोग, सरकारी तबक्का, रेड़ियो में, अखबारों में, टेलीविजन में हमारी, हमारे बाप की कितनी भी ग्लानि करती रहे, लेकिन हमारे ऊपर कोई असर, कोई असर न हो। नहीं तो जो दुखी आत्मा होती है अज्ञानी आत्मा होती है उसके मुंह पे थोड़ी देर बुराई कर दो तो दुखी हो जायेगी।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

So, this entire world is sinful. It is the world of those who act unrighteously. It is nothing but a world of sorrows. There is an atmosphere, vibration of sorrow everywhere. Then, how will it become a world of joy? Hum? Arey, it will become only through our vibrations. The one, in whose intellect a firm faith sits that 'we are a soul', this body is perishable, we souls are imperishable, our imperishable Father has come, it will first make our vibrations of joy. The soul will become constant in such a stage that, it does not matter how much one may keep attacking, (to whatever extent) he may go on spoiling our vibrations, but it should not have any effect on us. These ears should become such that if the people of our home, people of our family, people of our locality, people of our society, the Government sector, the radio, the newspapers, the televisions may defame us and our Father to whatever extent, but it should not affect us. Otherwise, for a sorrowful soul, for an ignorant soul, if someone criticizes him on his face for a few minutes, then he will become sorrowful.

तो नई दुनिया में, पावन दुनिया में सब पावन होंगे। और पतित दुनिया में सब पतित हैं। तो पतित दुनिया में सब ही पतित हैं तो पावन दुनिया बनेगी कैसे? क्या बात हो जायेगी जो पावन दुनिया बन जायेगी? जो सब पावन बनेंगे? (किसी ने कुछ कहा) हां नम्बरवार ऐसी आत्मायें उठके खड़ी होंगी कि उनके वायब्रेशन को कोई हिलाय नहीं सके। वो सबको प्रभावित करे लेकिन उनको कोई प्रभावित कर न सके। (किसी ने कहा – वायुमण्डल मजबूत बनेगा)
So, in the new world, pure world everyone will be pure. And in the sinful world every one is impure. So, if in the sinful world everyone is sinful, how will the pure world be created? What will happen that the pure world will be created, that everyone will become pure? (Someone said something) Yes, numberwise such souls will emerge (stand up) that nobody can shake their vibration. They may influence everyone but nobody may be able to influence them. (Someone said – the atmosphere will become strong).

वायुमण्डल मजबूत बनेगा। इसलिये बोला – एक भी पावरफुल संगठन तैयार होने पर एक संगठन दूसरे संगठन को खींचते हुये अंत में 108 की माला का संगठन तैयार हो जावेगा। माना माला में 12–12 के 9 ग्रुप है नम्बरवार। पहला ग्रुप तैयार होगा या नहीं होगा? तो जो ज्यादा पावरफुल ग्रुप होगा वो दूसरों को खींचेगा। पावरफुल ग्रुप में भी नम्बरवार होंगे या एक जैसे होंगे? (किसी ने कहा – नम्बरवार) उसमें भी नम्बरवार होंगे। जो पहला नम्बर होगा वो दूसरे को खींचेगा। फिर दोनों मिल करके औरों को खींचेगे। और वायब्रेशन बनता जावेगा। वायुमण्डल बनता जावेगा। उस वायुमण्डल को कहेंगे पावन दुनिया। जो उसमें जावेगा सो पावन बनेगा।
The atmosphere will become strong. That is why it has been said, "When even one powerful gathering becomes ready, one gathering will pull the other gathering and in the end the gathering of the rosary of 108 (beads) will become ready." It means that there are 9 numberwise groups with 12 in each of them. Will the first group become ready or not? So, the group which is more powerful, it will pull the others (groups). Even in the powerful group, will they be numberwise or alike? (Someone said – numberwise) Even among them they will be numberwise. The first number will pull the second number. Then both of them together, will pull the others. And the vibration will go on building up. The atmosphere will go on becoming ready. That atmosphere will be called a pure world. Whoever enters (that atmosphere), will go on becoming pure.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु–12 का ग्रुप क्यों 13 का ग्रुप क्यों नहीं बाबा?
बाबा– बारह ही राशियां क्यों होती है सारी दुनिया में सब मनुष्यों की? 13 राशियां क्यों नहीं होती? हैं? होती है कि नहीं? क्यों होती है? क्योंकि जो खास–खास धरम हैं उनकी संख्या कितनी है? टोटल? (किसी ने कहा – टोटल दस है) दस है। तो दस तो धरम है। दस प्रकार की धारणाओं वाले है मुख्य। और दो उनके मुखिया कह लो। उस परिवार के कंट्रोलर कह लो। जो पहले कंट्रोलर होते हैं और बाद में नीचे गिर जाते हैं। बारह ही राशियों में सारी दुनिया के मनुष्य बंटे हुये है।
Student: Baba, why is it a group of 12 and not a group of 13?
Baba: Why are there only 12 zodiac signs of all the human beings in the entire world? Why are there not 13 zodiac signs? Hum? Do they exist or not? Why don't they exist? It is because, what is the number of the main religions? (In) total? (Someone said - totally there are ten religions). There are ten, so, there are ten religions. They are mainly ten religions with ten kinds of inculcations. And, you can say that two are their heads. You may call them the controller of that family, who are initially the controllers and later on experience downfall. The human beings of the entire world are grouped into the 12 zodiac signs indeed.

समय–13.25
जिज्ञासु– काला शिवलिंग बनाते हैं। उसकी पूजा क्यों करते है?
बाबा– लिंग के लिये शास्त्रों में बोला है – स्वर्ण लिंग, ज्योर्तिलिंग जिसे हीरे का लिंग कहा जाता है। रजत लिंग – चांदी का। ताम्र लिंग – तांबे का। और फिर लौह लिंग या पत्थर का लिंग। तो जैसी–जैसी उस लिंग रूप रथ की, जिस रथ में वो सुप्रीम सोल प्रवेश करता है, जैसे जैसे उसकी स्टेज बनती जाती है, वैसा–वैसा उसका गायन हो गया है। संगमयुग में हीरे का लिंग है। सतयुग में स्वर्ण लिंग है। त्रेता में रजत लिंग है और द्वापर में ताम्र लिंग है। कलियुग में आ करके लोहे का और पत्थर का हो जाता है और पत्थर में भी काले पत्थर का मोस्टली बनाते हैं क्योंकि सब आत्मायें तमोप्रधान बन जाती है। एक बाप की ही बात नहीं है। बाप और बाप के साथ सभी बच्चे जो भी शालिग्राम है वो सब काले बन जाते हैं। इसलिये काले लिंग की पूजा करते हैं। कलियुग में खास।
Time: 13.25
Student: People make black *Shivling*. Why do they worship it?
Baba: It has been said about the *ling* in the scriptures – *swarna ling* (golden *ling*), *jyotirling*, which is called a diamond *ling*. *Rajat ling* – of silver. *Tamra ling* – of copper. And then the *lauh ling* (iron *ling*) or a *ling* made of stone. So, as the stage of that chariot in the form of *ling*, the chariot in whom the Supreme Soul enters, it is praised accordingly. The *ling* is of diamond in the Confluence Age. In the Golden Age there is a golden *ling*. There is a silver *ling* in the Silver Age and a copper *ling* in the Copper Age. In the Iron Age, it (the *ling*) becomes of iron and stone and even in the case of the stone *ling*, mostly they make it out of black stone because all the souls become tamopradhan (dominated by the quality of darkness or ignorance). It is not a question of just one father. The father and all the children that are there with the father who become *shaligrams*, become dark. That is why black *ling* is worshipped, especially in the Iron Age.

समय– 33.50–34.50
जिज्ञासु– शिवाजी महाराज का वहां अष्ट प्रधान मंडल था। तो यहां हमारे ज्ञान में अष्ट प्रधान शिवबाबा का मंडल कौनसा है?
बाबा– अष्ट देव ही तो हैं। ये भी पूछने की बात है। वो तो जन्म–जन्मांतर के सहयोगी हैं कि कोई एक जन्म के सहयोगी हैं?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 33.50-34.50
Student: There was an *ashta pradhan mandal* (group of eight chiefs) of Shivaji Maharaj. So, here in the path of knowledge, which is the group of eight chiefs of Shivbaba?
Baba: They are indeed the eight deities. Is it a question to be asked? Are they the helper souls for many births or are they the helper souls for one birth?

जिज्ञासु– जैसे इतिहास में हैं तो यहां भी ज्ञान में कौन अष्ट प्रधान मंडल हैं?
बाबा– अष्ट देव वो ही आत्मायें बन सकती है, जब से ज्ञान में आई हों, तबसे लेकर के अंत तक बाप की सहयोगी बन करके रहें। क्या? जब आदि से अंत तक बाप का सहयोगी बन करके रहेंगी तो वहां भी कलियुग के अंत तक सहयोगी बन करके रहेगी या नहीं रहेगी? रहेंगी। बाकी माया किसी को छोड़ती नहीं है तो आखरी जन्म में तो उनको भी नीचे गिरना पड़े। नीचे नहीं गिरेंगे तो ऊँचे भी नहीं उठेंगे। एक जन्म का नीचे गिरने का अनुभव जरूर होना चाहिये।
Student: Just like it has been mentioned in the history, so who are the eight chiefs in the knowledge here as well?
Baba: Only those souls can become the eight deities who remain helpful to the Father ever since they entered the path of knowledge, from the beginning to the end. What? When they remain helpful to the Father from the beginning to the end, then even there till the end of the Iron Age will they remain helpful or not? They will. However, *Maya* does not leave anyone. So, in the last birth they too have to experience downfall. If they do not experience downfall, they will not rise as well. They should certainly have the experience of downfall for one birth.

समय– 34.51–41.28
जिज्ञासु– बाबा एक भाई का प्रश्न है – रावण का राज्य पराजित होने के बाद विभीषण को राज्य दिया जाता है। तो फिर ये कैसे कहा गया है कि राज्य करेगा खालसा, जगदम्बा के लिये बोला है। तो ये कैसा?
बाबा– जो खालसा है, वो खालसा का गायन कौनसे धरम में है? (किसी ने कहा – सिक्ख धर्म में) सिक्ख धर्म। सिक्ख धर्म ऊँची कैटगरी का धरम है या कलियुग के अंत में आने वाला धरम है? (किसी ने कहा – कलियुग के अंत में आने वाला धरम है) अंत में आने वाला धरम है। तो जरूर कोई सिक्ख धरम की आत्मा है, जो ब्राह्मणों की दुनिया में सारे ब्राह्मणों के ऊपर कंट्रोल करके दिखायेगी। दीदी–दादियों ने जितना बड़ा कंट्रोलिंग का जिम्मेवारी नहीं ली है उससे भी कई गुनी ज्यादा जिम्मेवारी वो उठायेंगी। इसीलिये नाम पड़ता है गऊवर्धन।
Time: 34.51-41.28
Student: Baba, this is a question of a brother – after Ravan loses his kingdom; the kingdom is handed over to *Vibheeshan* (Ravan's brother who sided with Ram). So, then how is it said for Jagdamba that '*raj karega khalsa*' (the one who is pure will rule)? So, how is it?
Baba: In which religion is '*khalsa*' praised? (Someone said – In the Sikh religion) Sikh religion. Is Sikhism a religion of higher category or is it a religion that comes at the end of the Iron Age? (Someone said – It is a religion that comes at the end of the Iron Age) It is a religion that comes in the end. So, certainly there is a soul belonging to Sikhism, who will control all the Brahmins in the world of Brahmins. She will take up a responsibility many times greater than the responsibility of control that *Didis* and *Dadis* have taken up. That is why a name is coined – *Gauvardhan* (The one who rears cows).

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

कितनी गउएं थी? जो 16000 गउएं है, गोप–गोपिकायें हैं उन सबका वर्धन–परिवर्धन किया, पालना की। अभी तो कुछ भी नहीं है। आदि में भी 400– 450 थी और अभी भी एड्वांस पार्टी के अंत में वो ही हैं। लेकिन होना कितने हैं? 16000 की पालना करने वाला कोई तो निमित्त बनेगा। जो 16000 की संख्या होगी वो प्रिंस और प्रिंसेज बनने वाली आत्मायें हैं ना। राज परिवार की आत्मायें है ना। उनमें तो सारी दुनिया का राज परिवार समाया हुआ है। किनमें? (किसी ने कहा – 16000 में) 16108 में। उनकी अगर पढ़ाई पूरी हो गई तो यथा राजा तथा प्रजा। तो पढ़ाई कितनों की चल रही है? ये राजयोग की जो पढ़ाई चल रही है वो कितने लोगों के लिये चल रही है? (सबने कहा – 16108) 16108 के लिये चल रही हे। बाकी तो सब प्रजावर्ग के हैं। प्रजावर्ग वाले थोडे ही पुरूषार्थ करते है। वो तो संदेश लिया और चले।

How many cows were there? He took care of, gave sustenance to the 16000 cows, *gopes-gopikas* (friends of Krishna). Now it is nothing. Even in the beginning, there were 400- 450 (surrendered sisters and mothers) and even now at the end of the advance party it is the same (number). But what is going to be the (total) number? There will be someone to become instrumental to take care of 16000. The 16000 souls will be the ones to become Princes and Princesses, will they not? They are souls belonging to the royal family, aren't they? The royal family of the entire world is included among them. In whom? (Someone said – Among 16000) Among 16108. If their study is over, then as the king so will be the subjects. So, for how many is the study going on? For how many people is this study of *Rajyog* going on? (Everyone said – 16108) It is going on for 16108. And the remaining ones belong to the category of subjects. Those who belong to the category of subjects do not make special effort for the soul. They just take the message and depart.

तो जो राज करेगा खालसा – माने कोई आत्मा है सिक्ख धरम की जो खालिस भी रहती है। पवित्र भी रहती है। और ब्राह्मणों की दुनिया में कंट्रोल भी करती है। इतनी बड़ी कंट्रोलिंग पावर ब्राह्मणों की दुनिया में कोई साधारण आत्मा नहीं कर सकती लेकिन जिस आत्मा का सिक्ख धरम में गायन है वो आत्मा नारी से लक्ष्मी नहीं बन पाती है। क्या? क्या बनती है? जगदम्बा। जितने भी धरम वाले हैं विधर्मी – उन विधर्मियों में जब टक्कर होती है तो सबसे पावरफुल कौनसे देखने में आते है? (किसी ने कहा – सिक्ख धरम) एक लड़ाई लड़ने वाला योद्धा सिक्खों में से ले लो। एक क्रिश्चियन में से ले लो। एक इस्लामियों में से, मुसलमानों में से ले लो, बौद्धियों में से ले लो। आर्य समाजियों में से ले लो। सबको कौन हरायेगा? (सबने कहा – सिक्ख धरम) सिक्ख धरम वाला ही हराय देगा।

So, '*raj karega khalsa'* means that there is a soul belonging to Sikhism, who also remains pure (*khalis*). She remains pure as well as she controls the world of Brahmins. No ordinary soul can take up such a controlling power in the world of Brahmins, but the soul who is praised in Sikhism is unable to transform from a woman to Lakshmi. What? What does she become? *Jagdamba*. All the *vidharmis* (those who have inculcations opposite to that said by the Father) who are there, when all the *vidharmis* clash (with each other), who is observed to be the most powerful (among them)? (Someone said – Sikhism) Take a warrior (soldier) from the Sikhs. Take one from the Christians. Take one from the Islamis, one from the Muslims, one from the Buddhists; take one from the Arya Samajis. Who will defeat them all? (Everyone said – Sikhism) The one belonging to Sikhism will alone defeat (them all).

वैसे भी हिंदुस्तान की वीरता बड़ी मानी हुई मानी जाती है। लेकिन स्वत्रंता संग्राम में सबसे ज्यादा बलिदान कौनसे धरम वालों ने दिये है। (किसी ने कहा–सिक्खों ने) सिक्ख धरम वालों ने दिये। लेकिन उनका खान–पान, रहन–सहन विदेशियों से प्रभावित रहा। क्या? धारणायें उतनी ऊँची नहीं हैं जितनी बाबा ने सिखाई है। इसलिये ब्राह्मणों की संगमयुगी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

दुनिया में मान मर्तबा का पद तो पायेगी, राज करेगा खालसा वाली आत्मा, लेकिन जो मनुष्य जीवन का लक्ष्य है, वो लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकती।
Even otherwise, India's bravery is famous. But, people belonging to which religion have sacrificed themselves more than everyone else in the freedom struggle (of India)? (Someone said – The Sikhs). Those belonging to the Sikh religion have sacrificed. But their eating habits, living style remained influenced by the foreigners *(videshi)*. What? Their inculcations are not as high as Baba has taught. That is why, the soul who represents '*raj karega khalsa*' (the pure one will rule) will certainly achieve a respectable post and position in the Confluence-age world of Brahmins, but she cannot achieve the target of the human life.

जिज्ञासु– पर ये विभीषण कैसे?
बाबा– विभीषण कौन हुआ फिर? राज्य किसको मिलता है? (किसी ने कहा – विभीषण को) सारी दुनिया के विधर्मियों के लिये सबसे ज्यादा भीषण कौन हुआ? (किसी ने कहा – जगदम्बा) सिक्ख। भारतवर्ष में सबने, सब विधर्मियों ने राज्य किया। सबने आक्रमण किये, टक्कर किसने दी? (किसी ने कहा – सिक्ख) हिंदुओं ने तो टक्कर नहीं दी। वो तो तमोप्रधान बन गये, आपस में ही लड़ते रहे। किसने टक्कर ली? सिक्खों ने टक्कर ली। तो कुछ तो प्योरिटी रही होगी ना। हां।
Student: But how is she '*Vibheeshan*'?
Baba: Who is then the *Vibheeshan*? Who receives the kingship? (Someone said – *Vibheeshan*) Who is the fiercest one for the *vidharmis* of the entire world? (Someone said – *Jagdamba*) The Sikh (people). Everyone, all the *vidharmis* ruled over India. Everyone attacked. Who faced them? (Someone said – The Sikhs.) The Hindus did not face them. They (Hindus) became *tamopradhan* (dominated by the quality of darkness or ignorance). They kept fighting among themselves. Who confronted (the enemies)? The Sikhs confronted. So, there must have been some purity in them, mustn't there? Yes.

जिज्ञासु– प्योरिटी होते हुये भी वो अधरकुमारी के रूप में क्यों गायन होता है?
बाबा– अधरकुमारी थी। गाया हुआ क्या? थी ही अधरकुमारी। जगदम्बा अधरकुमारी थी। बाप को बाप कहेंगे। अधरकुमार कहेंगे कि कुमार कहेंगे। बाप को क्या कहेंगे? जो जगतपिता है उसको क्या कहेंगे? कुमार कहेंगे या अधर कुमार कहेंगे? बाप जो बेहद का गृहस्थी है उसको अधरकुमार कहेंगे कि कुमार कहेंगे? (किसी ने कहा – अधरकुमार) अधरकुमार है। तो अधरकुमारी का भी गायन है और कन्याकुमारी का भी गायन है।
Student: In spite of having purity, why is she praised as *adharkumari*?
Baba: She was *adharkumari* (a female who is married yet leads a life of purity). She is not just praised. She was indeed an *adharkumari*. *Jagdamba* was an *adharkumari*. The Father will be called a father. Will he be called an *adharkumar* (a married male leading a life of purity) or a *kumar* (unmarried)? What will be the father called? What will the world father be called? Will he be called a *kumar* or an *adharkumar*? The father, who is an unlimited householder, wil he be called an *adharkumar* or a *kumar*? (Someone said – *adharkumar*) He is an *adharkumar*. So, there is the praise for *adharkumari* as well as *kanyakumari*.
……………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info